दैनिक जागरण www.dainikjagranmpcg.com भोपाल, 24 मई 2025

सत्यकथा

भोपाल : एक तिहाई उम्र की युवती से शादी करने वाले रिटायर्ड भेल अफसर की हत्या का मामला

जवां मन बूढ़ा तन

▸▸ देवेन्द्र साहू/नीलेन्द्र पटेल

आधा अप्रैल गुजरते-गुजरते रातें भी गर्म होने लगी थी। इसलिए 18 दिसंबर की गर्म रात के बाद भोर का समय कुछ राहत भरा था। लेकिन पुलिस की किस्मत में राहत होती ही कहां है? यह बात पिपलानी थाने की आनंदनगर चौकी प्रभारी संतोष रघुवंशी पुलिस विभाग में लंबी सेवा के बाद भली प्रकार समझ चुके थे। इसलिए उस रोज जब सुबह के साढे चार-पांच बजे पिपलानी थाने से एक संदिग्ध मौत की खबर मिली तो एसआई श्री रघुवंशी को कोई ज्यादा अचरज नहीं हुआ।

demo pic.

मौत रात के तीसरे पहर घर के बाथरूम में फिसल जाने से पटेल नगर निवासी भेल के 65 वर्षीय रिटायर्ड अफसर जार्ज कुरियन की हुई थी। इसलिए सूचना पाकर एसआई संतोष रघुवंशी सीधे हमीदिया अस्पताल जा पहुंचे।

अस्पताल में मौके पर दो युवतियां, 32 वर्षीय निक्की (बदला नाम) जो स्वयं को जार्ज कुरियन की पत्नी बता रही थी और लगभग इसी उम्र की रेखा सूर्यवंशी भी वहां मौजूद थी। रेखा स्वयं को कुरियन के सीहोर निवासी दोस्त की बेटी। रेखा पिछले चार-पांच माह से कुरियन के घर में बिना कोई शुल्क दिए पेईंग गेस्ट के माफिक रह रही थी। घटना के समय इन दो युवतियों के अलावा कुरियन और निक्की की 9 साल की बेटी भी मौजूद थी।

प्रारंभिक पूछताछ में निक्की ने बताया कि कुरियन साहब रात में कई बार बाशरूम जाने के लिए उठते थे। आज भी उठे और हमेशा की तरह उनके उठने से होने वाले शोर से मेरी नींद टूट गई थी। कुछ देर बाद बाथरूम के पास कुछ गिरने की आवाज आने पर मैने वहां जाकर देखा तो कुरियन साहब लगभग अचेत पड़े थे।

यह देखकर मैंने घबड़ा कर ऊपर के कमरे में सो रही रेखा हो आवाज दी जिसके बाद हम दोनों पहले इन्हें पास की मारुति

पचास की उम्र में 17 साल की निक्की की मजबूरी का फायदा उठाकर उसे बिस्तर से होकर घर में दूसरी दुल्हन बनाकर लाने वाले भेल के रिटायर्ड अफसर का मन भले की 65 में आकर 25 के सपने देखने की कोशिश करता रहा हो लेकिन तन के संग न देने से वह खिसयाने के सिवाए कुछ और नहीं कर सकते थे। इसलिए घर में दो जवान युवतियों के मौजूद होने पर भी सूखे बने रहने को मजबूर जार्ज कुरियन चिड़चिड़े होकर पत्नी के संग मारपीट करने लगे थे।

अस्पताल ले गए जहां से हमें बहुत ही बुरी खबर के साथ यहां हमीदिया भेज दिया गया। लेकिन यहां भी डॉक्टर्स ने वही बताया जो मारुति अस्पताल में बताया था।

जार्ज कुरियन की उम्र लगभग 65-67 साल की थी जबकि उनकी पत्नी निक्की 32 की। पति-पत्नी की उम्र में दो गुने से भी ज्यादा का अंतर होने से क्या-क्या नहीं होता

इस जमाने में, इस बात से एसआई श्री रघुवंशी भली प्रकार परिचित थे। लेकिन अस्पताल में मौका और माहौल ऐसा नहीं था कि वहां शक को सूत्र बनाकर दुखी परिवार से पूछताछ की जा सके। लेकिन शव की बारीकी से जांच करने पर एसआई श्री रघुवंशी को दोनों युवतियों द्वारा सुनाई गई कहानी सच से दूर नजर आने लगी। बहरहाल उन्होंने निक्की से भोपाल में परिवार के दूसरे परिचितों के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि भोपाल में तो मृतक के केवल यार दोस्त ही रहते है जिनमें कुछ उनके साथ भेल में काम करते थे तो कुछ कालोनी के हमउम्र रिटायर्ड लोग। हां ने निक्की परिवार के नाम पर जो कुछ पुलिस को बताया वह भी काफी चौंकाने वाला था उसने बताया कि मेरी दीदी और बड़ी बेटी केरल में रहती हैं मैने उनको खबर कर दी है।

दीदी, यानी आपकी बहन, श्री रघुवंशी ने पूछा।

नहीं कुरियन साहब की पहली पत्नी और इनकी बेटी।

यह आपकी और जार्ज साहब की बेटी है, निक्की के साथ सहमी खड़ी 8-9 की मासूम को देखकर एसआई संतोष रघुवंशी ने उससे पूछा।

जी, घटना के समय यह मेरे साथ ही सो रही थी।

अब तक जो कुछ रेखा और निक्की ने बताया था उसकी रोशनी में एसआई संतोष रघुवंशी समझ चुके थे कि इस बार उनका पाला बेहद उलझे हुए मामले से पड़ा है। यह उनके लिए या उनके जैसे दूसरे किसी पुलिस अधिकारी के लिए विशेष चिंता की बात नहीं थी क्योंकि मामले जितने अधिक उलझे हुए होते हैं पुलिस को उन्हें हल करने में उतना ही ज्यादा सकून मिलता है। शेष पृष्ठ 4 पर...

demo pic.

खंडवा

देवर और बहन के देवर से प्रेम प्रसंग में 3 ने दी जान

देवर भाभी

पति के परदेश जाने के बाद भाभी की प्रेम संबंध अपने से उम्र में बीस साल छोटे चचेरे देवर से हो गए थे। लेकिन जब दोनों के अवैध रिश्ते पर समाज का दबाव बड़ा तो उन्होंने एक साथ जान दे दी।

शादी से पहले सरिता को अपनी बहन के देवर से प्रेम हो गया था। सरिता शादी के बाद भी बहन के देवर से संबंध बनाए रखना चाहती थी जबकि उसकी बड़ी बहन इसका विरोध करती थी।

किसान छोटा हो या बड़ा अच्छी बारिश के बाद खेतों में डाले गए बीज जब खेतों की भुरभुरी मिट्टर का घूंघट हटा कर बाहर झांकने लगते हैं तो इस दृश्य को सगी आंखों से निहारने के लिए हर किसान कम से कम एक बार तो खेत तक जरूर जाता है।

,उस रोज भी खंडवा के खलावा थाना इलाके में बसे गांव गुलाईमाल में रहने वाला किसान सुबह की रोशनी फैलते ही अपने खेत पर पहुंच कर काफी देर तक धरती ने निकल रहे हरे अंकुरों को प्रेम से देखते रहने के बाद सुबह के प्राकृतिक कर्म से निपटने के लिए पास के जंगल में बहने वाले नाले की तरफ चल पड़ा।

लेकिन अभी वह नाले के पास पहुंचा ही था कि जंगल में खड़े सागोन के एक पेड़ पर लटकी दो मानव आकृतियों को देखकर उसके कदम जहां के तहां ठिठक कर रह गए। हिम्मत वाला था सो वह पेड़ पर लटक रही दो लाशों को पास से देखकर पहचान करने की सोचकर पेड़ के नीचे पहुंचा। शव महिला और पुरुष थे। जिससे भले ही चेहरा ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था लेकिन वह समझ गया कि हो न हो ये दोनों शव गांव के देवर-भाभी दिनेश और उमा (बदला नाम) ही हैं। जो पिछले तीन दिनों से गांव से लापता थे। उसने उल्टे पैर गांव लौटकर पेड़ पर उमा और दिनेश के शव लटके होने की जानकारी लोगों को दी तो थोड़ी देर में दोनों के परिजनों के अलावा पूरा गांव मौके पर पहुंच गया।

सागौन के पेड़ पर दिनेश और उमा ने एक ही साड़ी के दोनों छोर पर फंदा बनाकर फांसी लगाई थी। मौके पर पहुंची खलावा पुलिस ने दोनों शव को उतार कर पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया। शाम को गांव के छोटे से शमशान घाट पर अलग-अलग लगभग एक ही समय पर दोनों को अंतिम संस्कार कर देने से उनकी एक कहानी तो खत्म हो गई लेकिन वह कहानी चर्चा में आ गई जो दोनों अपने पीछे छोड़ गए थे।

खेत में पेड़ पर लटके मिले देवर-भाभी के शव व मौके पर जमा गांव वालों की भीड़।

दिनेश उमा के पति के चाचा का बेटा था। दादा की जायजाद के बटवारे के बाद उनके घर ही पास-पास नहीं थे बल्कि उनके खेतों की मेढ़ भी एक दूसरे से लगी थी। उमा के पति और दिनेश की उम्र में लगभग बीस साल का फर्क था। इसलिए जब उमा शादी होकर घर में आई थी तब दिनेश घर के आंगन में बिना कपड़ों के नहाता था। बाद में बटवारा हो जाने से उनके घर जरूर अलग-अलग हो गए लेकिन उमा के पति और दिनेश को आपसी प्रेम पहले की तरह ही बना रहा।

धीरे-धीरे उमा के चार बच्चे हो जाने से घर का खर्च थोड़ी सी खेती से पूरा नहीं पड़ता था इसलिए किसानी को पत्नी के भरोसे छोड़कर उमा का पति पैसा कमाने पूना चला गया। और जाने से पहले दिनेश को भाभी तथा बच्चों का ध्यान रखने का बोल गया। दिनेश को भी भला क्या ऐतराज होता वह तो पहले से ही भैया-भाभी का काम हंसकर कर देता था।

जाहिर है कि भैया के चले जाने के बाद दिनेश का उमा के घर में आना-जाना काफी बढ़ गया। दोनों के खेत भी पास-पास थे इसलिए काम के दौरान दोनों खाना खाने भी एक ही पेड़ के नीचे बैठकर खाना खाकर कुछ देर के लिए पीठ सीधे करते।

सब कुछ ठीक चल रहा था। उमा और दिनेश की उम्र में भी 15-18 साल का अंतर था इसलिए दिनेश ने कभी दूसरी तरफ सोचने की कोशिश भी नहीं की थी। लेकिन उमा का मना कभी-कभी पति की दूरी से व्याकुल होकर दिनेश की तरफ झुकने लगता था। लेकिन वह जानती थी कि दिनेश के मन में ऐसा कुछ नहीं है इसलिए वो कदम आगे बढ़ाने की हिम्मत नहीं कर पाती थी।

अशोक सिंह, टीआई

लेकिन एक दिन पास के गांव में कुछ ऐसा हुआ कि उनके बीच इस तरह की बातचीत का रास्ता खुल गया। हुआ यह कि पड़ोसी गांव में एक 25 साल के युवक से 8 साल की मासूम के साथ बलात्कार किया था जिसकी चर्चा गांव भर हो रही थी। उस रोज दोपहर में दोनों खाना खाने पेड़ की छाव में बैठे तो उमा ने कहा तुम जानते हो क्या उस लड़के को जिसने यह पाप किया है।

तीन दिन तक खोजते रहे घर वाले

दिनेश पत्नी को खेत पर अकेला छोड़कर चुपचाप गया था इसलिए शाम को जब उमा और दिनेश दोनों के लापता हो जाने की खबर गांव पहुंची तो उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी। खबर पाकर पूना से उमा का पति भी गांव आकर अपने चाचा के साथ मिलकर दोनों को खोजने लगा लेकिन चौथे दिन प्यार में डूबे देवर-भाभी की लाश ही उनके हाथ लगी।

पति परदेश में देवर पड़ोस में

गांव के बुर्जुगों का मानना है कि उमा और दिनेश के हालातों ने उन्हें पाप के रास्ते पर डाल दिया था। उमा का पति परेदश में रहता था जबकि जवान देवर दिनेश ज्यादातर समय उमा के पास रहता था। इसलिए एक तरफ पति की तड़प और दूसरी तरफ जवानी का जोश दोनों ने मिलकर उन्हें एक दूसरे के करीब ला दिया था। उमा के पति का कहना है कि चाचा ने उसे बच्चों को साथ रखने का इशारा किया था लेकिन अगर वह साफ-साफ बता पाते तो मैं नौकरी छोड़कर गांव आ जाता या बच्चों को साथ ले जाता।

बैठना ऐसा किसी बच्ची के साथ।

अरे कैसी बातें कर रही हो।

हां शादी हो जाए तो फिर देवरानी के संग मस्ती करना आराम से।

ठीक है पर करवा तो दो शादी तब तो देवरानी आएगी।

तो जब तक नहीं आती तब तक मेरे बारे में सोचकर खुश रहो।

क्या सोचू आपके बारे में।

यही कि जैसे यह भाभी तुम्हारे भैया के बिना रह रही है वैसे ही तुम भी मेरी देवरानी के बिना रह लो।

भैया आते तो रहते है।

तुम तो ऐसे बोल रहे हो कि प्यास आज लगी हो और पानी चार महीने बाद मिलेगा यह सोचकर मन की धीरज दूं।

और कोई रास्ता भी तो नहीं।

क्यों नहीं पड़ोसी के कुएं से पानी पी लू तो?

ऐसा पाप।

अरे कुछ पाप नहीं होता। सुना है शहर में तो पैसा देकर घंटे भर को औरतें मिल जाती हैं हो सकता है तुम्हारे भैया भी उनके पास जाते हो।

भैया ऐसे नहीं है।

अरे अभी तुम्हें औरत का चस्का नहीं लगा न। एक बार औरत का संग कर लोगे तो दो दिन न रह पाओगे उसके बिना।

ऐसा होता है क्या?

कहो तो चस्का लगा दूं फिर खुद देख लेना।

भाभी तुम ऐसी बातें न करो।

क्यों कुछ होने लगा है क्या?

नहीं।

तो डॉक्टर को दिखाओ। अरे तुम्हारी जवान भाभी तुम्हें चस्का लगाने का कह रही है और तुम्हें कुछ नहीं हो रहा।

अच्छा मैं कह दूं कि हो रहा है कुछ-कुछ तो तुम क्या करोगी।

अरे मेरे भोले देवर तो मैं तुम्हारा हाथ यूं पकड़कर तुम्हें जंगल में नाले के पास ठंडी हवा में ले जाऊंगी। कहते हुए उमा ने सचमुच दिनेश का हाथ पकड़ा और उसने अपने साथ पास के जंगल में ले गई जहां जाकर उसने अपने सारे कपड़े खोलकर दिनेश को नारी सुख के सारे पाठ पढ़ा दिए।

दिनेश को तो यह लॉटरी लगने जैसा था। इसलिए उस दिन के बाद से दोनों रोज दोपहर में वक्त निकाल कर खेत में ही वासना का खेल खेलने लगे। दिनेश कुंवारा था और उमा को पति के परदेश में होने के कारण एक पुरुष की जरूरत थी। शेष पृष्ठ 7 पर...

नहीं तो।

कैसा राक्षस है उसे इतना तो सोचना था कि 7-8 साल की बच्ची का शरीर ऐसा नहीं होता कि जवान आदमी का साथ कर सके। फिर बेचारी के साथ पहली बार ही तो ऐसा हुआ होगा। मुझे नहीं लगता कि उसकी जान बच पाएगी।

देखो भगवान को जो मंजूर होगा वही तो होगा।

अच्छा गर्मी मर्द निकाले और फिर भगवान की इच्छा पर औरत मरे। तुम मत कर

सूरत

गर्भवती हुई तो 13 साल के स्टूडेंट को साथ ले भागी 23 साल की साइंस टीचर

13 साल के स्टूडेंट को मानव प्रजनन का पाठ पढ़ाते हुए माधवी ने अपने नादान छात्र को प्रैक्टिकल के नाम पर शारीरिक संबंधो का चस्का लगा दिया था। माधवी को अपनी गलती का अहसास तो तब हुआ जब दो साल तक नादान छात्र को गर्भ धारण की प्रक्रिया पढ़ाते-समझाते माधवी खुद गर्भवती हो गई।

.....

demo pic.

आई टीच यू ऑल

.....

पाठ्यक्रम में जोड़े जाने से पूर्व शिक्षा शास्त्रियों का विचार था कि बच्चों को किशोर उम्र से ही यौन-शिक्षा देना उनके भविष्य के लिए जरूरी है। लेकिन ऐसा सोचने वालों ने यह कभी नहीं सोचा था कि अगर शिक्षा के दौरान मेल टीचर अपनी गर्ल्स स्टूडेंट को और फीमेल टीचर अपने मेल स्टूडेंट को इस विषय का प्रैक्टिकल भी सिखाने लगे तो ...

.....

अरे तुम्हें कहीं देखा है मैंने?

यस मैम, मैं भी उसी अपार्टमेंट के चौथे माले पर रहता हूं जिसमें आप तीसरे माले पर रहती है।

ओके !!!!

क्या नाम है?

माधव।

गुड यू नो माई नेम।

यस, माधवी मैम।

ओके, आईएम युअर साइंस टीचर, नाइंथ क्लास में हो न?

जी।

यह बातचीत हो रही थी गुजरात में हीरों के लिए विख्यात नगरी सूरत शहर के पूनागांव इलाके में स्थित एक पब्लिक स्कूल में बच्चों को साइंस पढ़ाने वाली 20 साल की टीचर माधवी और कक्षा दस के छात्र माधव में जो संयोग से पूना बस्ती की एक ही अपार्टमेंट में रहते थे।

जैसा की बच्चों में होता है, टीचर अगर पड़ोस में ही रहती हों तो वे काफी खुश हो जाते है। माधव के साथ भी यही हुआ इसलिए घर आते ही उसने यह बात अपनी मां का बताई। मां के लिए यह बड़ी बात नहीं थी लेकिन बच्चे की चेहरे पर फैली खुशी को देखकर उन्होंने ने भी अपनी खुशी जाहिर की।

समय बीतने लगा इसी बीच हॉफ ईयरी एक्जाम में माधव के अंक संतोषजनक नहीं आए तो पिता से चर्चा करने के बाद एक रोज माधव की मां तीसरे माले पर रहने वाली बेटे की शिक्षक माधवी के फ्लैट पर पहुंची और अपना परिचय देते हुए माधव को घर पर कोचिंग देने का निवेदन किया।

वैसे तो मैं कोचिंग नहीं करती लेकिन माधव मेरा प्रिय स्टूडेंट है इसलिए आप शनिवार, रविवार को उसे भेज दिया करें मैं गाइड कर दूंगी।

माधवी (बदला नाम) राजी हो गई तो माधव दो दिन बाद शनिवार की शाम चार बजे उनके फ्लैट पर जा पहुंचा।

लगभग दो महीने तक ऐसे ही चलता रहा। माधव केवल वीक एंड पर माधवी से कोचिंग लेने उसके फ्लैट पर जाता रहा। इसके बाद एक रोज उसने घर आकर बताया कि अब मैडम ने उसे रोज शाम छह बजे से बुलाया है। घर वालों को भला क्या ऐतराज होता सो अगले दिन से माधव नियमित रूप से कोचिंग के लिए जाने लगा।

धीरे-धीरे समय बीतने लगा। माधव 9 वीं क्लास से 11 वीं क्लास में आ गया। वह 11 से 13 साल का हो चुका था और माधवी 23 की।

25 अप्रैल की बात है। स्कूल की छुट्टियां हो चुकी थी लेकिन माधवी ने माधव की कोचिंग जारी रखी थी। शाम लगभग 7 बजे माधव के पिता घर लौटे तो बेटे का न देखकर उन्होंने पत्नी ने उसके बारे में पूछा- माधव कहां हैं?

दोपहर से ही माधवी के पास कोचिंग के लिए गया है।

मालूम नहीं वो क्या पढ़ता है और टीचर उसे क्या पढ़ाती है। नंबर तो उसके ज्यादा अच्छे नहीं आए। कहते हुए पिता सोफे पर बैठ गए लेकिन इसके बाद भी जब घंटे भर तक बेटा वापस नहीं आया तो उन्होंने पत्नी को उसे बुलाने मैम के घर भेजा जहां से आकर पत्नी ने बताया कि उसके घर तो ताला पड़ा है। पड़ोस वाले बता रहे हैं कि वो तो आज दोपहर से ही फ्लैट पर नहीं है।

माधव के पिता का माथा ठनका। उन्होंने आपर्टमेंट में रहने वाले बेटे के सभी दोस्तों से पूछताछ की जिसमें एक दोस्त ने बताया कि माधव को दोपहर में मैम के साथ कहीं जाते उसने देखा था। इस पर पिता ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो सचमुच ही दोपहर में माधव अपनी टीचर माधवी का हाथ पकड़े अपार्टमेंट से बाहर एक टैक्सी में बैठते दिखाई दिया। इस दौरान माधवी के हाथ में एक बैग भी था।

इस पर आशंका से घिरे पिता ने पूना बस्ती थाने पहुंचकर पूरी बात बताते हुए आवेदन दिया जिस पर पुलिस ने रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी चेक किए तो दोनों हाथ में बैग लेकर अहमदाबाद की ट्रेन में सवार होते दिखाई दिए। दोनों के मोबाइल भी बंद थे इससे पुलिस ने माधव के अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जिसके चलते थोड़ी देर के लिए माधव को मोबाइल ऑन होने के कारण उसकी लोकेशन के आधार पर पुलिस ने पांच दिन बाद 30 अप्रैल को दोनों को गुजरात राजस्थान की सीमा पर शयामली से बस में सवार होकर भागते समय माधवी को गिरफ्तार कर माधव को बरामद कर लिया।

थाने लाकर पूछताछ के दौरान माधवी ने माधव के अपहरण की बात को गलत बताया। शेष पृष्ठ 7 पर...

दो साल से चल रहा था यह रिश्ता

आरोपी टीचर।

पूछताछ में माधव ने माना कि लगभग दो साल पहले मैम ने एक पाठ पढ़ाते समय मुझे ऐसा करने को कहा था। इसके बाद हम दोनों अक्सर यह करते थे। उसने माना कि मैम ने ही उसे बताया कि वो मां बनने वाली है इसलिए अब हमारी बात खुल जाएगी इसलिए उनके कहने पर मैं उनके साथ चला गया था।

होटल्स में बिताई पांच रातें

माधवी ने बताया कि सूरत से भागकर पहली रात वे लोग अहमदाबाद में रुके फिर वहां से दिल्ली होकर जयपुर पहुंचे जहां दो रात एक होटल में रुके। जयपुर से वृंदावन पहुंचकर वहां एक रात रुकने के बाद हमने वापस आने का मन बना लिया था। उसने बताया कि वह होटल में माधव को अपना कजिन बताकर रुकती थी। चूंकि माधव बच्चा दिखता है इसलिए होटल वाले आसानी से हमें कमरा दे देते थे।

अब रिश्तेदार के यहां दूसरे शहर में पढ़ेगा पीड़ित छात्र

पीड़ित नाबालिग छात्र के पिता का कहना है कि आरोपी टीचर की हवस के चलते उनके बेटे की जिंदगी खराब हो गई है। मुझे नहीं मालूम अब वह कैसे इस फोबिया से बाहर निकलेगा। लेकिन माहौल बदलने के लिए हम उसे रिश्तेदार के घर दूसरे शहर में पढ़ने के लिए भेज रहे है ताकि वह कोई उसे इस बारे में टोकने वाला न रहे।

...पृष्ठ 1 का शेष

65 वर्षीय बीएचईएल के सेवानिवृत्त जनरल मैनेजर जार्ज कुरियन की हत्या का चर्चित मामला

इसलिए एक लंबी सांस लेकर एसआई श्री रघुवंशी ने मामले की पूरी जानकारी तत्कालीन पिपलानी थाना प्रभारी अनुराग लाल और डीसीपी संजय अग्रवाल तथा एसीपी दीपक नायक को दे और कागजी कार्रवाई कर शव को डॉक्टर्स के लिए पीएम के लिए सौंप दिया।

संजय अग्रवाल डीसीपी

शाम का पोस्टमार्टम के बाद उसे कुरियन के परिजनों को सौंप देने के बाद डीसीपी श्री अग्रवाल ने जांच की पूरी जिम्मेदारी चौकी प्रभारी एसआई संतोष रघुवंशी को सौंपते हुए एक टीम गठित कर दी। लेकिन जांच आगे बढ़ाने के लिए पुलिस को जार्ज कुरियन की पीएम रिपोर्ट की आवश्यकता थी ताकि यह तय किया जा सके कि उनकी मौत महज एक हादसा है या कुछ और?

लेकिन पीएम रिपोर्ट आने तक एसआई संतोष रघुवंशी इस मामले में हाथ पर हाथ रखकर भी नहीं बैठना चाहते थे। इसलिए भी क्योंकि जार्ज कुरियन और उनकी दूसरी पत्नी की उम्र में बड़ा अंतर, उनके घर में एक दोस्त की जवान बेटी की मौजूदगी और 65 साल के हट्टे-कट्टे व्यक्ति की केवल फिसल कर गिरने से मौत हो जाने की बात जांच अधिकारी श्री रघुवंशी के गले आसानी से नहीं उतर रही थी।

इसी बीच उन्होंने देखा कि कुरियन की पत्नी निक्की या केरल में रहने वाली उनकी पहली पत्नी और उनकी बेटी तो मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रुचि नहीं दिखा रहीं थी जबकि रेखा जो जार्ज से सीधे-सीधे किसी रिश्ते से नहीं जुड़ी थी वह बार-बार चौकी आकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बारे में पूछताछ कर रही थी।

आरोपियों की चार गलतियों से मिला क्लू

जांच अधिकारी एसआई संतोष रघुवंशी के अनुसार जांच के दौरान आरोपियों की चार गलतियों ने क्लू मिला था। पहली गलती मृतक की पत्नी और रेखा ने मृतक की बेटी को अपने साथ सोने की बात कहीं जबकि दोनों अलग-अलग मंजिल पर सो रही थी। दूसरी गलती में निक्की और रेखा ने सीहोर में मृतक पर हुए हमले के दौरान खुद के भोपाल में होना बताया। जबकि डॉक्टर ने बताया कि घायल जार्ज को दो युवतियां लेकर आई थी। तीसरी रेखा द्वारा पुलिस से बार-बार पीएम रिपोर्ट के बारे में पूछताछ करना। इसके अलावा 18 मार्च और 18 अप्रैल दोनों दिन संजय, रेखा और मृतक की पत्नी के मोबाइल की लोकेशन एक साथ घटनास्थल पर मिलना। इसके अलावा रेखा के खाते से संजय को ऑन लाइन पैसा दिए जाने का रिकार्ड भी पुलिस को मिल गया।

एसआई संतोष रघुवंशी जांच अधिकारी

आमतौर पर जिसको जाना था वह तो चला ही गया। इसलिए जाने वाले इंसान के परिवारजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट की परवाह केवल उसी स्थिति में करते हैं जब उन्हें शक हो कि रिपोर्ट आने से जाने वाले की मौत की कहानी बदल सकती है। इसलिए इस मामले में रेखा द्वारा बार-बार आनंदनगर चौकी आकर पीएम रिपोर्ट के बारे में पूछताछ करने से जांच अधिकारी संतोष रघुवंशी को इस बात का भरोसा हो गया कि पूरे मामले में कहीं न कहीं छोटा-बड़ा पेंच है जरूर। इसलिए मई महीने के शुरुआत में रेखा एक बार फिर पीएम रिपोर्ट की पड़ताल करने चौकी आई तो एसआई श्री रघुवंशी ने उसके साथ थोड़ी पुलिसिया लहजे में बात की तो वह भड़क उठी उसका कहना था कि आपने अभी तक कुछ तो किया नहीं उल्टे मेरे ऊपर शक कर रहें है।

उसकी इस बात से श्री रघुवंशी को पूरा विश्वास हो गया कि दाल में काला जरूर है। इसलिए उन्होंने जब अपनी जांच और पूछताछ का दायरा पटेल नगर तक बढ़ाया तो पता चला कि कोई महीने भर पहले जार्ज कुरियन पर सीहोर में अज्ञात लोगों ने लाठी से हमला किया था जिससे उन्हें काफी चोटें आई थीं। इतना ही नहीं इस घटना के बाद से ही कुरियन को दिखाई देना बहुत कम, लगभग न के बराबर हो गया था। यहां एक बात और पुलिस के सामने खुल गई कि रेखा से मिलने के लिए संजय पाठक नाम का कोई शख्स अक्सर घर आता था जिसे कुरियन पसंद नहीं करते थे।

मृतक की दूसरी पत्नी आरोपी निक्की।

इस पर जांच अधिकारी ने मृतक के घर जाकर मौका मौआयना करते हुए वहां मौजूद रेखा और निक्की से एक बार फिर बातचीत करते हुए सीहोर की घटना के बारे में पूछताछ की जिसमें उन्होंने बताया कि इस बारे में हम दोनों को ज्यादा जानकारी नहीं है क्योंकि हमें तो इस बात की जानकारी फोन पर उस समय लगी थी जब घायल कुरियन साहब को सीहोर अस्पताल ले जाया गया था इसलिए हम सीधे अस्पताल पहुंचे थे।

वहीं घटना 18 अप्रैल की रात में घटी घटना के बारे में दोनों ने ऐसी नपी-तुली कहानी सुनाई कि उसे सुनकर श्री रघुवंशी चौक गए। क्योंकि दोनों ही अपने बयान ऐसे व्यवस्थित तरीके से पेश कर रहीं थी कि वे पुलिस को पूछने के लिए कुछ छोड़ ही नहीं रहीं थी। मसलन गिरते समय कुरियन का सिर किस तरफ और पैर किस तरफ थे, दोनों उठाकर कैसे अस्पताल ले गई आदि, वो सब बाते जो पुलिस संदिग्ध से उसके बयानों की सच्चाई जानने के लिए पूछ सकती है। इससे एसआई संतोष रघुवंशी समझ गए कि अपने बयान दर्ज करवाने के लिए दोनों ने काफी होमवर्क कर रखा है। लेकिन उस रोज रेखा एक गलती कर गई। उसने एसआई रघुवंशी को बताया कि घटना के समय जार्ज और निक्की दोनों नीचे कमरे में सो रहे थे जबकि उनकी 9 साल की बेटी मेरे संग ऊपर कमरे में सो रही थी। जबकि इससे पहले निक्की ने अपने बयानों में बेटी को अपने साथ सोया बताया था।

दीपक नायक, एसीपी

पुलिस को शक करने के लिए काफी कुछ मिल गया था। बाकि सीहोर से मिलने की उम्मीद थी। पुलिस की उम्मीद भी गलत नहीं निकली जब सीहोर में डॉक्टर्स ने बताया कि जार्ज कुरियन को कोई और नहीं दो युवतियां कार से अस्पताल लेकर आई थी। जबकि रेखा और निक्की के अनुसार सीहोर में कुरियन के साथ मारपीट के समय वे भोपाल में थी और अस्पताल से खबर मिलने पर सीधे अस्पताल पहुंची थी। इतना ही नहीं डॉक्टर्स ने बताया कि दोनों ही युवतियां मारपीट की रिपोर्ट करने के मूड में जरा भी नहीं थी और वे प्राथमिक उपचार के बाद घायल को अपने साथ ले गई थी।

इतना सब कुछ हासिल कर लेने के बाद एसआई श्री रघुवंशी ने संजय पाठक की कुंडली खंगाली जिसमें मालूम चला कि सीहोर निवासी संजय पाठक, रेखा के मृतक पति का दोस्त था। इसलिए टीम ने रेखा और संजय पाठक के मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन दोनों निकाली जिसमें पता चला कि 18 मार्च को जब जार्ज कुरियन पर सीहोर में हमला हुआ उस रोज निक्की और रेखा के अलावा संजय पाठक के मोबाइल की लोकेशन उसी स्थान के मिल रही थी जहां खेत में कुरियन पर हमला हुआ था। यहीं नहीं 18 अप्रैल को जिस रोज बाशरुम में फिसलने से जार्ज की मौत हुई उस रात भी संजय के मोबाइल की लोकेशन पटेल नगर में कुरियन के घर के पास की थी।

अब कहानी कांच की तरह साफ हो चुकी थी। इसलिए निर्णायक कदम उठाने के लिए एसआई संतोष रघुवंशी को केवल पीएम रिपोर्ट का इंतजार था जो 10 अप्रैल को मिल गई। रिपोर्ट मे साफ था कि जार्ज कुरियन की हत्या उनकी सांस रोककर और गला दबाकर की गई थी।

रिपोर्ट में हत्या की बात सामने आते ही एसआई श्री रघुवंशी ने निक्की और रेखा को थाने बुलाया लेकिन महिला होने का फायदा उठाकर उन्होंने जवाब देने में हीलाहवाली की तो पुलिस ने सीहोर से संजय पाठक को भी उठा लिया। जिसके बाद जल्द ही कुरियन की हत्या का मामला ही नहीं खुल गया बल्कि मृतक की पत्नी निक्की जिसे पुलिस पीड़ित समझ रही थी वह भी इस हत्याकांड में शामिल निकली। जिसके बाद पुलिस ने तीनों के पास से कुरियन का गला दबाने में प्रयुक्त गमझा बराबद कर उन्हें अदालत में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिए जाने के बाद बूढ़े हो चुके तन में जवानी पालने के दुष्परिणाम की यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

मूलरुप से केरल के रहने वाले जार्ज कुरियन भेल जैसी नामी संस्था में काफी बड़े पद पर कार्यरत होने के साथ-साथ खेलों में अपनी रुचि के चलते गोविंदपुरा के मैदान में बच्चों को स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग भी दिया करते थे। लोग इस काम को उनकी समाज सेवा समझते थे जबकि कुरियन का मकसद खेलों के बहाने जवान और खूबसूरत लड़कियों को कुछ दूसरा ही खेल सिखाने का था। जिसके चलते गोविंदपुरा के इसी खेल मैदान में उनकी पहली मुलाकात निक्की से हुई थी। 2010 में जब निक्की उनके पास ट्रेनिंग के लिए आई तब उसकी उम्र 16 साल की थी। जार्ज को मालूम था कि फिसलने के लिए यह सबसे माकूल उम्र है इसलिए उन्होंने खेल सिखाने के बहाने निक्की के शरीर के खास अंगो से खेलना शुरु कर दिया। गरीब परिवार की बेटी के साथ इतना बड़ा अधिकारी इस तरह का व्यवहार करने की कोशिश करे तो अभावों में पली किशोरी को फिसलते देर नहीं लगती। इस बात का फायदा उठाकर जार्ज ने निक्की से दोस्ती करने के बाद उसे अपने साथ कभी कार तो कभी स्कूटर पर घुमाना शुरु कर दिया। फिर मौका देखकर एक रोज कार में ही

अनुराग लाल, टीआई

demo pic.

जवां मन...

मौज मस्ती की उम्र से गुजर चुके व्यक्ति को सबसे अधिक नफरत उस व्यक्ति से होती है जो उसके हिस्से में आ सकने वाली जवानी को छीन रहा हो। इसलिए जार्ज कुरियन को पत्नी की सहेली रेखा के साथ उसके प्रेमी संजय का मेल जोल फूटी आंख नहीं सुहाता था।

और जब 17 साल की उम्र में निक्की राजी हो गई तो कुरियन ने एक रोज निक्की के गरीब माता-पिता को भी राजी कर चर्च में निक्की के साथ शादी कर ली। शादी के वक्त कुरियन 50 की उम्र पार कर चुके थे जबकि नाबालिग निक्की केवल 17 साल की थी। यही नहीं निक्की से शादी करने पूर्व ही खुद कुरियन की बेटी की शादी हो चुकी थी जिसे उन्होंने गोद लिया था। शादी के बाद निक्की जार्ज कुरियन की दूसरी पत्नी बनकर जार्ज कुरियन की पहली पत्नी के साथ भेल द्वारा मिले बंगले में आकर रहने लगी।

संयोग से कुछ समय बाद जार्ज की बेटी ससुराल से वापस आकर मायके में रहने लगी। तब जार्ज की पहली पत्नी ने उनसे निक्की को कहीं दूसरी जगह रखने की बात कही। क्योंकि वे नहीं चाहती थी कि एक ही घर में बेटी से उम्र में छोटी युवती पिता की पत्नी बनकर रहे। इस पर जार्ज ने निक्की को पंजाबी बाग में एक मकान खरीदकर उसमें रख दिया और कभी पहली पत्नी के साथ तो कभी पंजाबी बाग में दूसरी पत्नी के साथ समय बिताने लगे।

इसी दौरान 2015 में मायके आकर रह रही बेटी की दूसरी शादी हो गई और उन्होंने निक्की को एक अलग ही अनुभव से परिचित करवा दिया।

भेल के आफिसर क्वार्टर में पत्नी के साथ रहने वाले कुरियन दंपति की कोई संतान न होने के कारण वे एक बेटी को गोद ले चुके थे मगर फिर भी जार्ज कुरियन अपनी संतान पैदा करने के लिए निक्की को अपनी पत्नी बनने के लिए राजी करना शुरु कर दिया

नशों की कमजोर से भयभीत जार्ज कुरियन पत्नी पर शारीरिक प्रताड़ना से अपना दबदबा बनाए रखना चाहते थे। जिससे परेशान पत्नी ने सहेली रेखा और उसके प्रेमी को पति की हत्या की सुपारी दे डाली।

मृतक जार्ज कुरियन।

2016 में निक्की ने भी एक बेटी को जन्म दिया तो जार्ज उसे फिर निक्की को लेकर पहली पत्नी के साथ बंगले में रहने लगे। सब कुछ ठीक चल रहा था कि 2022 में जार्ज की बेटी गर्भवती हुई तो मां बेटी की देखभाल करने उसके साथ केरल में जाकर रहने लगी। और यहां भोपाल में रिटायर होने के बाद जार्ज ने पटेल नगर में एक बड़ा मकान ले लिया जहां वे निक्की और उसकी बेटी के साथ आकर रहने लगे।

लेकिन धीरे-धीरे अब जार्ज कुरियन का तन बूढ़ा हो रहा था अपितु उनका मन तो अभी भी जवान ही था मगर नशों में पहले जैसी ताकत न रह जाने से वे चिढ़चिड़े होते जा रहे थे। सबसे बड़ा डर उन्हें अपनी जवान बीवी निक्की का था कि कहीं शारीरिक जरुरतों के चलते वह किसी अन्य युवक से रिश्ता कायम न कर ले।

इधर निक्की को बेटी हुई तो केरल में बैठी कुरियन की पहली पत्नी और बेटी को भी भोपाल में जार्ज कुरियन की करोड़ों की जायजाद की चिंता होने लगी। उन्हें लगता कि कहीं ऐसा न हो जार्ज सब कुछ अपनी जवान बीवी और उसकी बेटी के नाम कर दे। इसलिए वे दोनों भी इस बात को लेकर जार्ज का विरोध करने लगे जिससे जार्ज दो पाटों के बीच पिसने लगे थे।

इसी बीच जार्ज और निक्की की दुनिया में सीहोर की रेखा का आगमन हुआ। रेखा के होम्योपैथिक डॉक्टर पति का 2015 में निधन हो गया था। पति के निधन के बाद रेखा का प्रेम प्रसंग पति के दोस्त संजय पाठक से हो गया। लेकिन सीहोर में संजय और रेखा खुलकर प्यार नहीं कर सकते थे इसलिए सीहोर में अपनी बड़ी जायजाद और खेती की जमीन छोड़कर जब रेखा भोपाल आई तो उसके प्रार्थाय पिता ने रेखा का परिचय अपने दोस्त कुरियन से करवायाा। रेखा भोपाल में आकर रहने लगी जहां संजय पाठक और उसका प्रेम लगातार नई कहानियां लिखने लगा। रेखा के घर में संजय के बार-बार आने और रात-रात भर रुकने पर जब मकान मालिक ने विरोध किया तो रेखा को अपने पिता के दोस्त जार्ज कुरियन की याद आई। इसलिए दिसंबर 24 में उसने जार्ज को फोन कर उनके घर का ऊपर वाला कमरा किराये पर मांगा।

जार्ज ऐसे मौके को हाथ से कैसे जाने देते। उन्होंने तत्काल रेखा को हां कर दी। इतना ही नहीं रेखा के घर में आने के बाद उन्होंने उसे किरायेदार के बजाए परिवार के मेंबर की तरह साथ में रखा। यहां तक की उसका खाना बगैरह भी जार्ज के घर में ही बनता था। अपितु इस बात से निक्की खुश नहीं थी मगर वह कुछ कर भी नही सकती थी। रेखा के यहां आकर रहने के दो-चार दिन बाद ही सीहोर से संजय पाठक उससे मिलने आने लगा। इस दौरान रेखा उसे ऊपर लेकर अपने बेडरुम में चली जाती ओर घंटो बाद वापस नीचे आती।

रेखा को लेकर जार्ज के मन में क्या था यह तो रेखा ने नहीं बताया लेकिन संजय के प्रति कुरियन के व्यवहार से यह साफ था कि रेखा की जिंदगी में कोई पुरुष उनको मंजूर नहीं। इसलिए वे संजय को रेखा से मिलने आने का विरोध करने लगे। एक दो बार उनकी फोन पर संजय से बहस भी हो गई थी। उन्होंने न केवल संजय को घर पर आने से मना कर दिया था। संजय भी रेखा को छोड़ना नहीं चाहता था इसलिए उसने कुरियन को उसके और रेखा कि बीच न आने की धमकी दी तो जवाब में कुरियन ने संजय को उसकी एक करीबी नाबालिग किशोरी के साथ रेप करने की उसे धमकी दे डाली।

जाहिर है कि प्रेम की राह में कांटा बनने के कारण संजय और रेखा दोनों ही जार्ज से नाराज थे। इस नाराजी की आग में घी डालने का काम रेखा की सीहार स्थित प्रापर्टी बेचने में जार्ज के सहयोग ने किया। दरअसल संजय, रेखा की प्रापर्टी अपने माध्यम से बिकवाना चाहता था ताकि उसे मोटा कमीशन मिल सके। लेकिन जार्ज के बीच में आने से उसे अपना लाखों रुपया डूबता दिखाई देने लगा।

इसी बीच एक रोज जार्ज ने रेखा को छुपकर संजय से फोन पर बात करते पकड़ लिया। इस पर उसने रेखा को बुरी तरह डांटा तथा संजय की हत्या तक करवाने की धमकी दे डाली। इस धमकी की जानकारी लगने पर खुद संजय ने ही जार्ज की हत्या की ठान ली।

इसी बीच 18 मार्च को जार्ज, रेखा और निक्की को लेकर सीहोर में रेखा की प्रापर्टी देखने गया। जिसका फायदा उठाकर संजय ने रेखा के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से सीहोर में जार्ज पर हमला कर दिया। जार्ज को शक हो गया कि इस हमले में रेखा और संजय का हाथ है। इसलिए वह बात-बात पर निक्की के संग तो मारपीट करता ही था अब रेखा पर भी हाथ उठाने की नौबत आ गई।

आरोपी रेखा।

इसी बीच जार्ज से परेशान होकर एक रोज निक्की ने रेखा से कहा कि ऐसे पति से तो बिना पति के भले। ये मर जाए तो मेरा पाप कटे।

मरने का इंतजार क्यों कर रहीं हो। जिससे परेशानी हो उसे खुद भी तो मारा भी जा सकता है। मौका देखकर रेखा ने निक्की से कहा।

निक्की इसके लिए राजी हो गई तो रेखा ने दस लाख रुपए में जार्ज की हत्या की सुपारी संजय को दिलवा दी। जिसके बाद योजना बनाकर 18 अप्रैल की रात तीनों ने मिलकर जार्ज की हत्या कर दी। रेखा और निक्की को अपनी योजना पर पूरा भरोसा था कि पुलिस उन तक कभी नहीं पहुंच सकती लेकिन डीसीपी संजय अग्रवाल के निर्देशन और आनंदनगर चौकी प्रभारी एसआई संतोष रघुवंशी के नेतृत्व में गठित टीम ने पीएम रिपोर्ट मिलने के साथ ही हत्याकांड के तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया। कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

खेलों के बहाने दिखाया अपना 'खेल'

भेल में नौकरी के दौरान जार्ज गोविंदपुरा मैदान में बच्चों को खेल सिखाने जाता था। इसी दौरान उसने नाबालिग निक्की से खेल सिखाने के बहाने एक अपना दूसरा ही खेल दिखा दिया। वह रात के समय निक्की को अपनी कार में लांग ड्राइव पर ले जाता था। इसी दौरान उसने निक्की से रिश्ते बनाए और फिर 50 की उम्र में 17 साल की निक्की से दूसरी शादी कर ली।

पेट में ताबीज है अगर तुमने किसी और के संग...किया तो मुझे पता चल जाएगा

जार्ज कुरियन को डर था कि उसके बुढ़ापे से परेशान जवान बीवी निक्की किसी और से रिश्ता न बना ले। इसलिए वह निक्की को धमकाता रहता था कि मेरे पेट में गुरु का दिया ताबीज है अगर तुमने किसी और से संबंध बनाए तो ताबीज के माध्यम से मुझे खबर लग जाएगी।

मृतक जार्ज कुरियन

चार घंटे बाद फिर जिंदा हो जाऊंगा

तंत्र-मंत्र पर भरोसा करने वाले जार्ज ने पत्नी से बोल रखा था कि गुरु के आशीर्वाद से अपनी मौत के चार घंटे बाद मैं फिर जिंदा हो जाऊंगा। इसलिए हत्या के बाद पांच घंटे तक आरोपी शव को घर में ही रखे रहे। इसके बाद जब देखा कि जार्ज जिंदा नहीं हुआ तब उसे अस्पताल लेकर गए।

ज्योतिष ने बताया था संजय तेरा काल है

सीहोर में अपने ऊपर हुए हमले में जार्ज को शक था कि इसमें रेखा के प्रेमी संजय का हाथ है। इसलिए हमले के बाद वह एक पंडित के पास भी अपनी परेशानियों के बारे में बात करने गया था जिसमें पंडित ने बता दिया कि संजय पाठक तेरा काल है तभी से वह संजय से बेहद नफरत करने लगा था। इससे संजय को डर था कि अगर मैंने जार्ज को नहीं मारा तो संभव है कि जार्ज मेरी हत्या करवा दे।

कहीं संजय ही तो नहीं मारा गया

रेखा का प्रेमी आरोपी संजय।

घटना की रात रेखा ने संजय को चुपचाप अपने कमरे में छुपा लिया था। इसके बाद निक्की ने जार्ज की आंखों में दवा डालकर उन्हें आंख बंदकर लेटे रहने को कहा। इसका फायदा उठाकर दोनों ने संजय को जार्ज की हत्या करने कमरे में भेज दिया। कुछ देर तक संघर्ष होने का शोर आने के बाद जब अंदर से दरवाजा खटखटाया गया तब रेखा ओर निक्की ने इस डर से दरवाजा नहीं खोला कि संघर्ष में कहीं संजय ही न मारा गया हो। जब संजय ने आवाज लगाई तब दोनों ने दरवाजा खोला और फिर तीनों ने मिलकर उसका गला गमझे से दबा दिया।

छतरपुर

शादी की जिद पर अड़ी प्रेमिका की हत्या का मामला

बिंदास माशूका

पति को छोड़कर प्रेमी की बांहों में रात बिताने वाली आरती चाहती थी कि उसका प्रेमी अजय भी अपनी पत्नी को छोड़कर उसके साथ रहे। लेकिन दोनों हाथ लड्डू खा रहे अजय को यह मंजूर नहीं था। लेकिन जब प्रेमिका ने दबाव बनाते हुए धमकी देना शुरू किया तो....

विकाश गंगेले, लवकुशनगर

26 दिसंबर की सुबह का वक्त था। शीत लहर से कांप रहे पूरे सूबे की तरह छतरपुर जिला भी भीषण शीत लहर की चपेट में था। इसलिए सिविल लाइन थाने के बाहर सूरज की गुनगुनी धूप में बैठकर एक पुराने मामले पर अपने अधीनस्थ एसआई अतुल दीक्षित से चर्चा कर रहे टीआई पुष्पेंद्र प्रताप मिश्रा को थाने आए सटई रोड़ निवासी युवक रविन्द्र ने चौंका देने वाली जानकारी देते हुए बताया कि उसकी छोटी बहन 22 वर्षीय आरती (बदला नाम) की लाश गौरया गांव के पास रेलवे लाइन पर पड़ी है। उसने यह भी बताया कि आरती रोज की तरह शाम को पड़ोसी युवक अजय खंगार के साथ घूमने निकली थी। आमतौर पर वह रात 12-1 बजे तक वापस आ जाती थी लेकिन आज जब वह वापस नहीं आई तो तलाश करने पर उसकी लाश रेलवे लाइन के किनारे पड़ी मिली।

भाई खुद यह कहे कि जवान बहन रोज की तरह पड़ोसी युवक के साथ घूमने गई थी तो सुनने में थोड़ा अजीब तो लगता ही है। उस पर युवक कह रहा था कि वो रोज आधी रात के बाद वापस आती थी। इसलिए उसकी यह बात पुलिस को पूरी कहानी समझने के लिए काफी थी। बहरहाल मामला गंभीर तो था ही सो मर्ग कायमी के बाद टीआई श्री मिश्रा के निर्देश पर एसआई अतुल सिंह थाने से एक टीम लेकर मौके पर पहुंच गए।

सचिन शर्मा
तत्कालीन एसपी

मृतका का शव बरामद करती पुलिस।

रेलवे लाइन के किनारे आरती का शव रक्त रंजित हालत में पड़ा था। आरती ट्रेन से कटी तो नहीं थी लेकिन शव की स्थिति से साफ जाहिर था कि वह ट्रेन के धक्के घायल होकर दूर जाकर गिरी है जिसके बाद उसकी मौत हुई है।

प्रारंभिक जांच के बाद शव को पीएम के लिए भेजकर एसआई अतुल दीक्षित ने परिवार के लोगों से पूछताछ की जिसमें पता चला कि छह महीने पहले ही आरती की शादी लवकुश नगर निवासी एक युवक के संग हुई थी। लेकिन शादी के बाद पहली बार मायके आने के बाद वह लौटकर पति के पास नहीं गई थी। पूछताछ में एक पड़ोसी युवक अजय राय उर्फ अज्जू खंगार का नाम बार-बार सामने आया। परिवार वालों ने अज्जू पर आरती की हत्या का आरोप भी लगाया। उनका कहना था कि अज्जू रोज शाम उनकी बेटी को साथ लेकर घूमने जाता था। कल भी आरती शाम को अज्जू के साथ ही देखी गई थी जिसके बाद आरती का शव सुबह रेल की पटरी पर मिला जबकि अज्जू का कहीं कोई पता नहीं था।

चूंकि परिवार वाले खुद भी पड़ोस में रहने वाले अज्जू खंगार पर आरती की हत्या का शक जाहिर कर चुके थे। आरती घटना से पहले शाम को अज्जू के साथ देखी गई थी इसलिए एसआई अतुल सिंह टीम को लेकर अज्जू की तलाश में जुट गए जिसके चलते जल्द ही अज्जू पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पूछताछ के दौरान अज्जू पहले तो आरती की हत्या के बारे में कुछ भी जानने से इंकार करता रहा लेकिन जब पुलिस ने उसके साथ अपने तरीके से पूछताछ की तो अज्जू जल्द ही टूट गया। उसने आरती की हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया कि आरती खुद अपने पति को छोड़कर मेरे संग हर समय मस्ती करने के मूड में रहती थी। दूसरे वह चाहती थी कि जिस तरह से उसने अपने पति को छोड दिया है उसी तरह मैं भी अपनी पत्नी को छोड़ दूं। उसके इस दबाव से मैं तंग आ गया था। घटना की रात भी रेलवे लाइन पर मस्ती करने के बाद वह एक बार फिर मुझसे पत्नी को छोड़ने की बात करने लगी। इसी बीच हमारा विवाद हुआ जिससे मैंने उसे सामने से आ रही ट्रेन के सामने धक्का दे दिया और फिर उसका मोबाइल लेकर वहां से भाग गया। पुलिस ने आरोपी अज्जू के पास से मृतका का मोबाइल और हत्या में प्रयुक्त मोटर साइकल बरामद कर उसे अदालत में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया गया। जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

पुष्पेन्द्र मिश्रा
तत्कालीन टीआई

गांव में एक दूसरे के पड़ोस में रहने वाले आरती और अजय लगभग हम उम्र थे इसलिए उनके बीच दोस्ती तो किशोरावस्था में ही हो गई लेकिन इस दोस्ती में प्यार का रंग कोई दो साल पहले उस समय घुला जब एक रोज अचानक आई बरसात से बचने दोनों ने भागकर एक ही पेड़ के नीचे शरण ली। शाम का समय था उस वक्त आरती रोज की तरह रेलवे लाइन की तरफ से शाम की सैर कर वापस लौट रही थी और बेरोजगार अज्जू रोज की तरह आवारागर्दी करके। बारिश काफी तेज थी इसलिए पेड़ के नीचे पर्याप्त सुरक्षा न मिल पाने से धीरे-धीरे आरती के कपड़े भीगकर उसके बदन से चिपक गए जिसे देखकर अज्जू के मन में अजीब सी तरंगे उठने लगी। आरती समझ रही थी इसलिए वह खुद को अज्जू की नजरों से छुपाने की कोशिश कर रही थी।

अतुल दीक्षित, एसआई

अज्जू उसका पड़ोसी भी था और बचपन का दोस्त भी सो थोड़ी देर में जब अंधेरा घिरने लगा तो वह बोला अंधेरा होने वाला है कहो तो मैं घर जाकर छाता ले आता हूं तुम उसे लगाकर चली जाना।

दूसरे दिन आरती जब शाम को घूमने रेलवे ट्रेक पर पहुंची तो वहां अज्जू पहले से ही मौजूद था। उस दिन के बाद से दोनों शाम को रेलवे लाइन के किनारे साथ-साथ घूमने लगे। जिसे जल्द ही उसके बीच प्यार होने के बाद शारीरिक संबंध भी बन गए। इसी बीच आरती ने धनी एप के जरिए लोन पास करवाने का धंधा शुरू कर दिया। इससे उसे अच्छी कमाई होने लगी जो वह नशे पर और अज्जू पर लुटाने लगी। उसने अज्जू को एक मोटर साइकल भी खरीदकर गिफ्ट कर दी।

इनकी कहानी में मोड़ तो उस समय आया जब साल भर पहले आरती के मना करने के बाद भी अज्जू ने एक दूसरी युवती से शादी कर ली। इससे अज्जू से बदला लेने आरती ने भी लवकुश नगर के एक युवक से शादी कर ली। लेकिन उसे पति का संग जरा भी नहीं भाया इसलिए मायके आने के बाद उसने अज्जू पर दबाव बनाना शुरू कर दिया कि वो भी अपनी पत्नी को छोड़ दे जैसे उसने अपने पति को छोड़ा है। लेकिन अज्जू इसके लिए तैयार नहीं था क्योंकि उसकी पत्नी आरती की तुलना में न केवल बहुत अधिक सुंदर थी।

शेष पृष्ठ 7 पर...

पति को छोड़कर प्रेमी के संग रहना चाहती थी मृतका

आरोपी और मृतका के बीच लगभग तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। साल भर पहले प्रेमी ने दूसरी लडकी से शादी कर ली तो मृतका ने भी लवकुश नगर में रहने वाले एक युवक से शादी कर ली थी। लेकिन शादी के बाद वह पति को छोड़कर मायके में प्रेमी के संग ही घूमती दिखाई देती थी। आरती चाहती थी कि प्रेमी अज्जू भी अपनी पत्नी को छोड़कर उसके साथ रहे। इसी विवाद के चलते प्रेमी ने ट्रेन के सामने धक्का देकर आरती की हत्या कर दी।

दोनों थे नशे के आदी

आरोपी अज्जू और मृतका आरती को एक दूसरे के प्यार का नशा तो था ही साथ ही साथ दोनों को शराब के अलावा अन्य दूसरे नशों की भी बुरी लत थी। लोगों के अनुसार दोनों नशे में पूरी वेशर्मी के साथ इलाके में साथ घूमते रहते थे। कई बार तो लोगों ने उन्हें दिन के उजाले में भी रेलवे लाइन के पास आपत्तिजनक स्थिति में देखा था।

...पृष्ठ 3 का शेष

उसका कहना था कि वो और माधव घूमने के लिए गए थे। पकड़े जाने के समय वे वापस अहमदाबाद की बस में सवार थे तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। माधव ने भी अपनी मैम की बात का समर्थन किया।

लेकिन माधवी और माधव के पास इस बात का कोई जबाव नहीं था कि दोनों ने अपने घर वालों को यह बात क्यों नहीं बताई दूसरे उन्होंने अपने मोबाइल भी क्यों बंद कर रखे थे। पुलिस के इस सवाल ने दोनों की डर गए जिसके बाद माधवी ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि दरअसल उसे माधव से पांच माह का गर्भ है जबकि मेरे घर वाले शादी के लिए दबाव बना रहे थे इसलिए हम दोनों अलग दुनिया बसाने के लिए घर से भागे थे।

माधवी की बात सुनकर सन्नाटा छा गया। माधव ने भी बताया कि पिछले दो साल से वह माधवी मैम के साथ शारीरिक रिश्ते में है। इस दौरान मैम को गर्भ ठहर जाने से हम दोनों भाग गए थे।

चूंकि माधव केवल 13 वर्ष का नाबालिग है इसलिए सेक्स संबंध में उसकी सहमति महत्व नहीं रखती इसलिए पुलिस ने माधवी के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज करते हुए उसे पॉक्सो एक्ट की धाराओं में भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर लिया। वहीं माधवी के गर्भ में पल रहे बच्चे के पिता का निर्धारण करने के लिए माधव और माधवी का नमूना डीएनए टेस्ट के लिए भेज दिया जिसके बाद समाज को शर्मसार कर देने वाली कहानी इस प्रकार सामने आई।

माधवी अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी इसलिए तीन कमरों वाले फ्लैट में उसका कमरा सबसे बाहर बालकनी की तरफ था जिसमें बैठकर वह माधव को कोचिंग दिया करती थी। माधवी उस समय बीस साल की थी जबकि माधव किशोर उम्र में दाखिल हो रहा था। चूंकि आजकल किशोर उम्र से ही बच्चों को सेक्स संबंध का काफी ज्ञान हो जाता है इसलिए विपरीत सेक्स कि प्रति उनकी रुचि भी जाग चुकी होती है। यही हाल माधव का भी था।

इसलिए माधवी के कमरे में कोचिंग के दौरान वह अक्सर उसके कुर्ते के गले में झांकने की कोशिश करता रहता था। कुछ दिनों बाद माधवी का

अपने स्टूडेंट को ले जाती सीसीटीवी में कैद हुई टीचर।

इस तरफ ध्यान गया तो वह माधव के सामने संभल कर बैठने लगी। लेकिन माधवी भी अभी बीस साल की थी। उसके खून में भी नई जवानी का नशा घुला हुआ था। इसलिए 11-12 साल के बच्चे को अपनी और आकर्षित होते देख उसके मन में भी अजीब सी गुदगुदी होने लगी। माधव को चोरी छुपे उसके कुर्ते में देखना उसको एक्साइटिंग लगने लगा इसलिए दो-तीन महीने बाद ही उसने न केवल माधव को सप्ताह के सातों दिन कोचिंग आने के लिए बोल दिया बल्कि माधव को पढ़ाते समय वह लापरवाही के बहाने उसे अपनी सुदंरता दिखाने की कोशिश करने लगी।

लगभग छह माह बाद एक्जाम के बाद स्कूल लंबे समय के लिए बंद हो गए मगर माधव के संग चल रहे खेल को जारी रखने माधवी ने उसकी कोचिंग जारी रखी। दसवीं कक्षा के सिलेबस में एक अध्याय मानव प्रजनन का भी था इसलिए माधवी ने सबसे पहले माधव को यही पाठ पढ़ाते हुए उसके चेहरे के हावभाव समझने की कोशिश करना शुरू कर दिया।

माधवी यह पाठ विशेष मतलब से माधव को पढ़ा रही थी इसलिए पाठ समझाते हुए उसने एक रोज माधव से पूछा तुम स्त्री-पुरुष के रिश्ते के बारे में जानते हो?

माधव सकपका गया। वह जानता तो सब था लेकिन डर के कारण उसने इंकार में सिर हिला दिया।

झूठ बोल रहे हो तुम, है न? माधव का चेहरा घूरते हुए माधवी ने उससे कहा।

नो मैम सच कह रहा हूं।

तो मेरे इस सवाल से तुम डर क्यों गए। देखो मुझसे डरने की जरूरत नहीं है। डरोगे तो यह पाठ समझ में ही नहीं आएगा, ओके?

ओके मैम। माधव ने कहा तो माधवी ने काफी खुलकर उसे स्त्री-पुरुष के संबंध के बारे में समझाया जिसे सुनकर माधव की हालत खराब होने लगी। यह देखकर माधवी बोली क्या हुआ एक्साइटमेंट हो रहा है क्या?

न... न... नहीं तो।

फिर झूठ। जब मुझे यह पढ़ाते हुए एक्साइटमेंट होने लगता है तो तुम्हें क्यों नहीं होगा। पगले अपनी मैम से शर्म करते हो। अरे अब तुम बड़े हो गए हो। सच बोलने में कैसी शर्म यह तो हम लोगों की बॉयोलॉजी है। ऐसा सोचकर उत्तेजना बढ़ती ही है।

तुम्हारी कोई गर्लफ्रेंड है।

नहीं।

किसी दोस्त की।

विशाल की है।

कौन?

मधु।

दोनों सेक्स करते हैं।

नहीं विशाल कह रहा था कि उसने ट्राइ किया लेकिन सक्सेस नहीं हो पाता।

दोनों जल्दबाजी करते होंगे। इसलिए नहीं हो पाता। यह आराम से किया जाता है। तुम्हें देखना है कैसे किया जाता है।

जी।

लो यह देखो, कहते हुए माधवी ने अपने मोबाइल पर एक अश्लील मूवी उसे दिखाने के लिए अपने पास सोफे पर बुला लिया और फिर उसे मूवी दिखाते हुए उसके पैरों पर कमर के आसपास हथेली रखकर बैठ गई।

फिल्म देखते हुए माधव की हालत खराब होते देख माधवी ने उसके कान में पूछा, प्रैक्टिकल करोगे इस चैप्टर का।

मुझसे नहीं होगा।

अरे मैं हूं न तुम्हारी टीचर, सब सिखा दूंगी। यह कहकर माधवी सोफे पर लेट गई और माधव के साथ शारीरिक रिश्ता बनाने के बाद कपड़े पहनते हुए पूछा- कैसा लगा?

बहुत अच्छा।

ओके किसी को बताना मत, क्लास में भी किसी फ्रेंड को भी नहीं।

माधव इतना तो जानता था कि ऐसी बात किसी को नहीं बताई जाती। इसलिए उसने इसकी चर्चा किसी से नहीं की। इधर माधवी ने धीरे-धीरे उसके मन में बैठा दिया कि वह उसे प्यार करती है। और इसी प्यार के बहाने अक्सर कोचिंग के दौरान पढ़ाई छोड़कर माधव के साथ शारीरिक सुख लूटते हुए उसे इस काम के नए-नए तरीके सिखाने लगी।

माधव के लिए तो यह सब कल्पना से परे था।

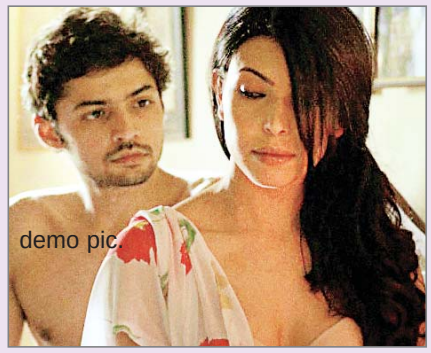

फिर उसमें इतनी अक्ल भी नहीं थी कि अभी उसकी उम्र यह सब करने की नहीं है। माधवी मैम जब भी उसे इस बात का इशारा करती वह रोबोट की तरह उनकी बात मानकर वही सब वैसे करता जाता जैसे उसकी मैम बताती।

घर से भागने के बारे में माधवी ने पुलिस को बताया कि वह माधव के साथ फिजीकल रिलेशन के दौरान हमेशा प्रोटेक्शन के प्रति सीरियस रहती थी। लेकिन मालूम नहीं कैसे जनवरी में मुझे पीरियड नहीं आया। पहले तो मैंने इसे सामान्य समझा लेकिन जब अगले माह भी ऐसा हुआ तो कुछ चिंता हुई लेकिन वह महीना भी हां-न करते निकल गया। इसके बाद जब मुझे पता चला कि मैं मां बनने वाली हूं तो मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। इस बीच मेरे माता-पिता मेरी शादी करने के पीछे पड़े थे इसलिए जब मुझे कुछ समझ में नहीं आया तो हम दोनों ने घर से भागने की योजना बना डाली और 25 अप्रैल को भाग निकले लेकिन जल्द ही मुझे समझ में आ गया कि 13 साल के माधव के साथ कहीं भी छुपकर रह पाना आसान नहीं है तो हम दोनों वापस आ रहे थे कि तभी पुलिस ने पकड़ लिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 6 का शेष

इसलिए रोज-रोज के मिलने वे दोनों एक दूसरे के दीवाने हो गए। इसलिए जब खेतों में काम खत्म होने पर उनका खेत आना बंद हो गया तो वे घर पर ही मौका लिकालकर एक दूसरे की प्यास बुझाने लगे। जिससे जल्द ही दिनेश के पिता को शक हो गया। इसलिए वे उसकी शादी के लिए लड़की देखने लगे। इस बात का पता चलने पर उमा ने दिनेश को रोका कि वो शादी न करे वर्ना वह जान दे देगी। दिनेश भी शादी करना नहीं चाहता था लेकिन पिता के सामने उसकी नही चली। लेकिन शादी से पहले उसने भाभी से वादा कर लिया कि वह शादी के बाद भी उसे खुश करता रहेगा।

दो महीने पहले दिनेश की शादी हो गई। इसके बाद भी देवर भाभी का खेल खेतों में चलता रहा। लेकिन दिनेश के पिता जानते थे कि इस पाप पर लगाम कैसे लगाना है इसलिए दो शादी के महीने भर बाद ही उन्होंने दिनेश की पत्नी को उसके साथ खेत पर भेजना शुरू कर दिया। इससे देवर-भाभी के पाप पर पूरी तरह से रोक लग गई। इस बात से दिनेश तो कम मगर उमा ज्यादा परेशान थी। इसलिए उसने एक रोज मौका पाकर दिनेश से कहा कि तुम अगर आगे से पत्नी को लेकर खेत आए तो मैं जान दे दूंगी। लेकिन दिनेश क्या करता पिता की आगे उसकी चलती भी कैसे। इसलिए उमा के मना करने पर भी दिनेश अगले दिन पत्नी को लेकर खेत पहुंचा तो उमा ने उससे कहा कि तुम नहीं माने न। अब शाम को जंगल में उसी नाले के पास आकर मेरी लाश उठा लाना। यह कहकर उमा जंगल की तरफ चली गई। दिनेश जानता था कि भाभी कुछ भी कर सकती है इसलिए कुछ देर बाद पत्नी को काम पर लगाकर उससे नजर बचाकर वह भी उमा के पीछे जंगल में पहुंच गया जहां उमा पेड़ पर साड़ी को फंदा बना रही थी। यह देखकर दिनेश बोला अकेली क्यों जाती हो मैं भी साथ चलता हूं। इसके बाद दोनों ने पहले वहीं जंगल में प्यार किया फिर एक साथ फंदे पर लटक गए।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 2 का शेष

इसलिए रोज-रोज के मिलने वे दोनों एक दूसरे के दीवाने हो गए। इसलिए जब खेतों में काम खत्म होने पर उनका खेत आना बंद हो गया तो वे घर पर ही मौका लिकालकर एक दूसरे की प्यास बुझाने लगे। जिससे जल्द ही दिनेश के पिता को शक हो गया। इसलिए वे उसकी शादी के लिए लड़की देखने लगे। इस बात का पता चलने पर उमा ने दिनेश को रोका कि वो शादी न करे वर्ना वह जान दे देगी। दिनेश भी शादी करना नहीं चाहता था लेकिन पिता के सामने उसकी नही चली। लेकिन शादी से पहले उसने भाभी से वादा कर लिया कि वह शादी के बाद भी उसे खुश करता रहेगा।

दो महीने पहले दिनेश की शादी हो गई। इसके बाद भी देवर भाभी का खेल खेतों में चलता रहा। लेकिन दिनेश के पिता जानते थे कि इस पाप पर लगाम कैसे लगाना है इसलिए दो शादी के महीने भर बाद ही उन्होंने दिनेश की पत्नी को उसके साथ खेत पर भेजना शुरू कर दिया। इससे देवर-भाभी के पाप पर पूरी तरह से रोक लग गई। इस बात से दिनेश तो कम मगर उमा ज्यादा परेशान थी। इसलिए उसने एक रोज मौका पाकर दिनेश से कहा कि तुम अगर आगे से पत्नी को लेकर खेत आए तो मैं जान दे दूंगी। लेकिन दिनेश क्या करता पिता की आगे उसकी चलती भी कैसे। इसलिए उमा के मना करने पर भी दिनेश अगले दिन पत्नी को लेकर खेत पहुंचा तो उमा ने उससे कहा कि तुम नहीं माने न। अब शाम को जंगल में उसी नाले के पास आकर मेरी लाश उठा लाना। यह कहकर उमा जंगल की तरफ चली गई। दिनेश जानता था कि भाभी कुछ भी कर सकती है इसलिए कुछ देर बाद पत्नी को काम पर लगाकर उससे नजर बचाकर वह भी उमा के पीछे जंगल में पहुंच गया जहां उमा पेड़ पर साड़ी को फंदा बना रही थी। यह देखकर दिनेश बोला अकेली क्यों जाती हो मैं भी साथ चलता हूं। इसके बाद दोनों ने पहले वहीं जंगल में प्यार किया फिर एक साथ फंदे पर लटक गए।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

जोधपुर

आईपीएल में मुंबई इंडियन टीम के प्लेयर रहे शिवालिक मंगेतर से रेप केस में गिरफ्तार

सोनाली के साथ सगाई हो जाने के बाद बड़ौदा का यह क्रिकेटर सोनाली को ऐसी नो बॉल समझने लगा था जिस पर आऊट होने का कोई चांस नहीं था। लेकिन शिवालिक को नहीं पता था कि मंगेतर, पत्नी नहीं होती जिसके साथ मनचाहा व्यवहार किया जाए।

.....

2 जनवरी की सुबह का वक्त था जब जोधपुर राजस्थान के कुड़ी भगतसनी सेक्टर-2 थाने में एक निहायत ही खूबसूरत युवती ने प्रवेश किया। पहनावे से अति संपन्न परिवार की दिख रही युवती मंहगी कार में थाने आई थी। उसने अपना चेहरा चुन्नी में छुपा रखा था इसलिए एसएचओ ने इतना अंदाजा तो उसके कुछ कहने से पहले ही लगा लिया कि संभवतः मामला यौन अपराध से जुड़ा हो सकता है।

युवती ने अपना नाम सोनाली (बदला नाम) बताते हुए जो कुछ बताया वह बेहद चौकाने वाला था। सोनाली ने बताया कि बडौदा निवासी शिवालिक शर्मा ने शादी करने का धोखा देकर उसके साथ कई बार बलात्कार करने के बाद अब शादी करने से मना कर दिया है।

क्या आप उसे जानती है? एसएचओ ने उससे पूछा।

अच्छी तरह वह बडौदा की तरफ से रणजी ट्राफी क्रिकेट में खेलता है। पिछले साल तक आईपीएल में मुंबई इंडियन टीम में भी शामिल था। उसके पूरे परिवार को भी जानती हूं। दोनों परिवारों की सहमति से हमारी सगाई हो चुकी थी और उसने इसी बात का फायदा उठाकर मेरे साथ गलत किया।

सोनाली द्वारा दिए गए शिवालिक के परिचय के बाद मामला अचानक ही हाईप्रोफाइल हो गया। इसलिए एसएचओ ने उसकी शिकायत की जानकारी एसीपी आनंद सिंह को दे दी जिससे कुछ देर बाद वे भी थाने पहुंच गए और सोनाली की बात सुनकर जांच गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित कर दी जिसे बडौदा से शिवालिक को गिरफ्तार कर जोधपुर लाने की जिम्मेदारी दी गई। इस टीम ने 5 मई को बडौदा में शिवालिक को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

हर आरोपी की तरह शिवालिक ने सोनाली के आरोपों को गलत बताया। उसके माता-पिता ने भी पुलिस को बताया कि शादी हमने नहीं सोनाली ने तोड़ी है इसलिए उसके आरोप बेबुनियाद हैं। मगर पुलिस ने किसी की न सुनते हुए केवल कानून की सुनी और शिवालिक को जोधपुर लाकर अदालत में पेश कर दिया जहां से उसे जेल भेज दिए जाने के बाद पीड़ित युवती सोनाली के बयान और पुलिस के बताए अनुसार यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

सोनाली ने पुलिस को बताया कि फरवरी 2023 में वह कुछ सहेलियों के साथ बडौदा गई थी। इसी दौरान एक कॉमन फ्रेंड के माध्यम से उसका शिवालिक के साथ पहला परिचय हुआ। वह कुछ दिनों तक हमारे ग्रुप के साथ गुजरात घूमा जिसके चलते इसी दौरान हमने अपने मोबाइल नंबर भी एक्सचेंज कर लिए।

जोधपुर लौटकर आने के बाद शिवालिक अक्सर मुझे फोन करने लगा जिससे धीरे-धीरे हमारी दोस्ती गहरी होती गई। जिससे कुछ ही महीने बाद उसने मुझे पसंद करने और मेरे साथ शादी करने की इच्छा जताई। मुझे इस संबंध में कोई बुराई नजर नहीं आई जिससे मैंने अपने घर वालों को शिवालिक के बारे में बता दिया। इसके अलावा एक बार उसके कहने पर बडौदा उससे मिलने भी गई। शिवालिक ने मुझे अपने परिवार से मिलवाया जिसके बाद अगस्त 23 में उसका परिवार जोधपुर आया जहां हम दोनों की सगाई कर दी गई।

कहना नहीं होगा कि इसके बाद हम दोनों की भावनात्मक नजदीकी काफी बढ़ गई थी। इसी बीच मेरे परिवार के लोग बाहर गए। इसकी जानकारी शिवालिक को लगने पर वह मुझसे मिलने बडौदा

.....

शिवालिक और सोनाली की सगाई के वक्त शिवालिक बडौदा की तरफ से रणजी ट्राफी खेला करता था। लेकिन 2024 में आईपीएल के लिए मुंबई इंडियन द्वारा खरीदे जाने के बाद शिवालिक के परिवार वालों ने बेटे की बड़ी कीमत देखकर सोनाली के संग सगाई तोड़ दी थी।

.....

आया। मैं घर पर अकेली थी जिसका फायदा उठाकर उसने होने वाली पत्नी होने का दबाव बनाकर मेरे साथ शारीरिक रिश्ते बना लिए। इस दौरान वह 7 दिन तक मेरे घर में रहा और इन सातों दिन में उसने मेरे साथ ऐसा कई बार किया। बाद में मुझे लेकर जयपुर, मेंहदीपुर बालाजी और उज्जैन घूमने गया जहां हम जिस भी होटल में रुके उसने मेरे साथ संबंध बनाने का क्रम जारी रखा।

सोनाली ने बताया कि उस समय शिवालिक बडौदा की तरफ से रणजी ट्राफी टीम में शामिल था। लेकिन इसी बीच आईपीएल के 2024 के आक्शन में मुंबई इंडियन की टीम ने इस 20 लाख की बेस प्राइज में खरीदकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। शिवालिक के आईपीएल खेलने की बात जानकर मैं बहुत खुश थी लेकिन इसके बाद शिवालिक ने मुझसे फोन पर संपर्क करना लगभग बंद कर दिया। मैं अपनी तरफ से उसे फोन लगाती तो पच्चीसों बार फोन करने पर मुश्किल से एक बार ही फोन रिसीव करता।

बहरहाल आईपीएल का सीजन खत्म होने के बाद मैं खुद ही उससे मिलने बडौदा पहुंची तो उसके माता-पिता ने मुझसे साफ कह दिया कि अब उनका बेटा बड़ा क्रिकेटर बन गया है ऐसे में हम इस सगाई को आगे नहीं ले जा सकते। मैं उनकी बात सुनकर शॉक्ड थी इसलिए जब मैंने इस बारे में शिवालिक ने बात की तो उसने भी मेरे साथ शादी करने से मना कर दिया। जानकारी लगने पर मेरे परिवार वालों ने शिवालिक और उसके परिवार से बात की लेकिन उन्होंने मेरे माता-पिता से भी यह शादी करने से साफ मना कर दिया। इसके बाद भी मैंने शिवालिक को उसके द्वारा बनाए गए शारीरिक रिश्ते का वास्ता देकर शादी करने को कहा। मैने उससे कहा कि मेरी जिंदगी बर्बाद मत करो। ऐसे में मैं कैसे किसी दूसरे युवक से शादी कर उससे नजरें मिला पाऊंगी लेकिन उसने मेरी एक नहीं सुनी।

बडौदा एसीपी आनंद सिंह के अनुसार मामले में कार्रवाई से पहले पुलिस ने पूरी जांच की है। पीड़ित युवती का मेडिकल करवाने के अलावा अदालत में उसके 164 के बयान भी दर्ज करवाए गए हैं। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज दिया गया है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

बिना डेब्यू के ही मुंबई इंडियन टीम से रिलीज कर दिया था शिवालिक को

शिवालिक शर्मा का जन्म 28 नवंबर 1998 को बडौदा में हुआ। उसकी पढ़ने में ज्यादा रुचि न होने के कारण पिता ने उसे क्रिकेट खेलने की छूट दी जिसके चलते उसने 2016 में बीनू अंडर-19 से खेला। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उसने पहला मैच बडौदा की तरह से रणजी ट्राफी में खेला। इसी बीच 2024 में मुंबई इंडियन ने आईपीएल के लिए उसे 20 लाख की बेस प्राइज में खरीद लिया। अपितु पूरे सीजन में उसे आईपीएल में डेब्यू करने का अवसर नहीं मिला। जिसके बाद 2025 के सीजन से पहले ही टीम ने उसे रिलीज कर दिया।

आरोपी क्रिकेटर शिवालिक शर्मा

मुंबई इंडियन में शामिल होते ही बढ़े भाव

मुंबई इंडियन के कप्तान हार्दिक पाण्ड्या के साथ आरोपी शिवालिक शर्मा।

पीड़ित युवती ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि मुंबई इंडियन की टीम में शामिल होते ही शिवालिक बदल गया था। जिसके चलते जब मैं उससे मिलने बडौदा गई तो उसके परिवार का साफ कहना था कि अब शिवालिक आईपीएल में आ गया है। उसे काफी रिश्ते आ रहे हैं इसलिए अब इस सगाई को हम आगे नहीं ले जा सकते। शिवालिक से बात करने पर उसने भी यही बात कही थी कि अब वक्त बदल चुका है मुझे नए सिरे से सोचना होगा।

अलग-अलग शहरों में ले जाकर बनाए संबंध

पीड़ित युवती

पीड़ित युवती के अनुसार शिवालिक ने विरोध के बावजूद पहली बार मेरे घर में मेरे साथ रिश्ता बनाया था। इसके बाद वह मुझे कई शहरों में घुमाने ले गया जहां उसने होटल्स में ठहरते समय मेरे साथ बार-बार शादी के नाम पर संबंध बनाए।